Seventeenth Loksabha

an>

Title : Need to promote bio-gas fuel based public transport system in the country particularly in Bundelkhand region -laid.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): केंद्र और यूपी राज्य सहित विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा जनकल्याण और देश की प्रगति के लिए अनेक प्रयास युद्धस्तर पर लिए जा रहे हैं । उनमें से एक सड़क राजमार्गों का निर्माण है ।इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड एक्सप्रेस का निर्माण किया जा रहा जो चित्रकूट से महोबा हमीरपुर होते हुए इटावा तक लगभग 206 किमी लंबा है और मेरे संसदीय क्षेत्र में इसकी लंबाई महोबा और हमीरपुर होते हुए लगभग 100 किमी है । यह लखनऊ दिल्ली एक्सप्रेस मार्ग व यमुना एक्सप्रेस मार्ग को जोड़ते हुए बुन्देलखण्ड को दिल्ली से जोड़ेगा । इस प्रयास से बुंदेलखंड में तेज औद्योगिकीकरण निश्चित रूप से होगा । इस प्रकार देश में बनते सड़क मार्गों में आवागमन की आवृत्ति बढ़ने से ईंधन की खपत में भी वृद्धि होगी और इस अवसर का उपयोग देश के अन्न दाता किसानों की आय में वृद्धि के लिए भी किया जा सकता है । देश में राष्ट्रीय बायोगैस और खाद प्रबंधन कार्यक्रम (एनबीएमएमपी) के अंतर्गत गोबर गैस संयंत्रों का निर्माण किया जा रहा है । मेरा सरकार से अनुरोध है कि बुंदेलखंड सहित देश के सभी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय व राजकीय राजमार्गों पर प्रारम्भ में सार्वजनिक परिवहन हेतु बायोगैस के उपयोग को अनुमति प्रदान करते हुए इसके वितरण के लिए आवश्यक सभी आधारभूत संरचनाओं का निर्माण भी किया जाए । बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे सहित अन्य राजमार्गों के किनारे बॉयोगैस पंप बन जाने से न सिर्फ हरित ईंधन की उपलब्धता होगी वरन देश के किसानों की आय में वृद्धि होगी रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होगें और बुंदेलखंड के लिए सबसे महत्वपूर्ण अन्ना प्रथा पर रोक लगाए जाने वाले प्रयासों को और मजबूती प्राप्त होगी ।

अतः बायोगैस के परिवहन में उपयोग को बढ़ाने और विशेषकर बुन्देलखण्ड में इस हेतु आधारभूत संरचना के निर्माण के लिए सरकार से विशेष

अनुरोध करता हूँ ।